













## संपादकीय

## कांग्रेस को बदलनी होगी नीति

लोकसभा चुनाव का सारे देश में माहौल बन चुका है और इस दैशन एक बात पर राजनीति की गहरी समझ खेलने वाले जनियों को गैर करना होगा कि कांग्रेस लगभग 330 सीटों पर ही क्यों चुनाव लड़ रही है। 543 सदस्यों वाली लोकसभा में सरकार बनाने का खाव देखनी वाली कांग्रेस के इन्हें कम सीटों पर अपने उम्मीदवार खड़ी करने की क्या बजाहै? क्या उसे कावेदे के उम्मीदवार नहीं मिले? कांग्रेस ने 1999 के लोकसभा चुनाव में 529 उम्मीदवार उतारे थे। उसके बाद 1998 में 477, 1999 में 453, 2004 में 417, 2009 में 440, 2014 में 464 और 2019 में 421 उम्मीद उतारे। इस बार कांग्रेस के उम्मीदवारों की तादाव पिछले लोकसभा चुनाव की तुलना में भारी गिरावट होने जा रही है। कांग्रेस के नेता लाल तर्क दें कि उनकी पार्टी कम सीटों पर उम्मीदवारों को उतार रही है, पर सच यही है कि सन 2014 के बाद देश में नेतृत्व मोदी के तटव के साथ ही कांग्रेस का संधारकाल खुल रहा है। बीते दसेक सालों के दौरान, कांग्रेस उत्तर प्रदेश, बिहार, पश्चिम बंगाल, बिहार विरोध में तेजी से सुकुम्ही है। इन राज्यों में लोकसभा को कुल मिलाकर 40 फीसद के आसापास सीटें हैं। जिस राहुल गांधी और प्रियंका गांधी को कांग्रेस अपना शिखर नेता मानती है वे भी अपनी पार्टी का भाग्य नहीं बदल पा रहे हैं। 1989 से कांग्रेस उत्तर प्रदेश की सत्ता से बाहर है। वहाँ उत्के अंतिम मुख्यमंत्री वीर बहुदुर सिंह थे। वह वही उत्तर प्रदेश है जो कि कांग्रेस का गढ़ हुआ करता था और नेहरू परिवार का निवास भी अग्रामी लोकसभा चुनाव में कांग्रेस उत्तर प्रदेश में 17 सीटों पर लड़ रही है। अगर अब भी कांग्रेस के नेताओं और कांग्रेसकार्ताओं ने नेहरू-गांधी परिवार की गुलामी नहीं छोड़ी तो उनकी पार्टी जल्दी ही इतिहास के चरणों में ही रह जाएगी। राहुल और प्रियंका गांधी का जमीनी हकीकत से कोई लेनाडेना नहीं है। इनके अशीर्वाद से जेनेन्यू के टुकड़े-टुकड़े गैंग के नेता कहै कि कांग्रेस में एटी बुड़ी थी। अब उस कांग्रेस ने राजधानी की नौर्खी ईर्ष्य सीट से अपना उम्मीदवार बना दिया है। वह वही कहै कि भारतीय सेना के जवानों के कम्बो बलाकार जैसे ध्वनिएँ हैं। राहुल और प्रियंका गांधी ने कम्बो बलाकार के नौर्खी ईर्ष्य सीट से अपना उम्मीदवार बना दिया है। कहै कि भारतीय सेना पर रसरदों की रक्षा करने वाली भारतीय सेना पर आरोप लगाते रहे हैं? अप अगर देश विरोधी तत्वों का साथ दोगे तो फिर आपको चुनाव में जनता जवाब तो देंगे ही। कहै कि कुमार को कांग्रेस अध्यक्ष मलिकाजुन खड़े ने कांग्रेस कार्यसमिति में जाहू देकर सदैश दे दिया था कि उत्तर तत्वों से कोई परेह जहां है जो भारतीय सेना पर क्षमीरे में बलाकार करने के अर्जुन तत्वों के लिए रहे हैं। बेशक, देश कहै कि भारतीय सेना को कम्बो बलाकारी कहने वाला कहै कि कुमार भाजपा के गिरिजा सिंह को हरा ही देगा। कहै कि कुमार को कांग्रेस कार्यसमिति में जगह मिलना अप्रत्याशित है। यह कांग्रेस की सबसे बड़ी और शक्तिशाली समिति है।

## रामनवमी पर भी हुई जमकर राजनीति



**“** कांग्रेस ने सुपीम कोर्ट में प्रभु श्रीराम को काल्पनिक बताया, जयश्रीराम को साप्तदायिक नारा बताया, पहले राम मंदिर पर निर्णय टालने और फिर भूमि पूजन समारोह को रोकने का प्रयास किया किन्तु आज यह इतने मजबूर हो गये हैं कि कहने लगे हैं कि प्रभु श्रीराम तो सबके हैं कि तुम्हें उत्तर नीति विकृति उभर आती है। रामनवमी के अवसर पर सबसे अधिक असंघ उत्तर बंगाल की

असंघकारी नीति विकृति उभर आती है। रामनवमी की अवसर पर सबसे अधिक असंघ उत्तर बंगाल की

पूर्व श्रीराम को रोकने का

बहाना बनाकर हिन्दुओं को रामनवमी की

शोभायात्रा निकलने की अनुमति नहीं दी

जिससे हिंदू समाज की

शोभायात्रा हो गयी है।

जिससे हिंदू संगठनों को अदालत की

शोभायात्रा हो गयी है।

जिससे हिंदू संगठनों को अदालत की

शोभायात्रा हो गयी है।

जिससे हिंदू संगठनों को अदालत की

शोभायात्रा हो गयी है।

जिससे हिंदू संगठनों को अदालत की

शोभायात्रा हो गयी है।

जिससे हिंदू संगठनों को अदालत की

शोभायात्रा हो गयी है।

जिससे हिंदू संगठनों को अदालत की

शोभायात्रा हो गयी है।

जिससे हिंदू संगठनों को अदालत की

शोभायात्रा हो गयी है।

जिससे हिंदू संगठनों को अदालत की

शोभायात्रा हो गयी है।

जिससे हिंदू संगठनों को अदालत की

शोभायात्रा हो गयी है।

जिससे हिंदू संगठनों को अदालत की

शोभायात्रा हो गयी है।

जिससे हिंदू संगठनों को अदालत की

शोभायात्रा हो गयी है।

जिससे हिंदू संगठनों को अदालत की

शोभायात्रा हो गयी है।

जिससे हिंदू संगठनों को अदालत की

शोभायात्रा हो गयी है।

जिससे हिंदू संगठनों को अदालत की

शोभायात्रा हो गयी है।

जिससे हिंदू संगठनों को अदालत की

शोभायात्रा हो गयी है।

जिससे हिंदू संगठनों को अदालत की

शोभायात्रा हो गयी है।

जिससे हिंदू संगठनों को अदालत की

शोभायात्रा हो गयी है।

जिससे हिंदू संगठनों को अदालत की

शोभायात्रा हो गयी है।

जिससे हिंदू संगठनों को अदालत की

शोभायात्रा हो गयी है।

जिससे हिंदू संगठनों को अदालत की

शोभायात्रा हो गयी है।

जिससे हिंदू संगठनों को अदालत की

शोभायात्रा हो गयी है।

जिससे हिंदू संगठनों को अदालत की

शोभायात्रा हो गयी है।

जिससे हिंदू संगठनों को अदालत की

शोभायात्रा हो गयी है।

जिससे हिंदू संगठनों को अदालत की

शोभायात्रा हो गयी है।

जिससे हिंदू संगठनों को अदालत की

शोभायात्रा हो गयी है।

जिससे हिंदू संगठनों को अदालत की

शोभायात्रा हो गयी है।

जिससे हिंदू संगठनों को अदालत की

शोभायात्रा हो गयी है।

जिससे हिंदू संगठनों को अदालत की

शोभायात्रा हो गयी है।

जिससे हिंदू संगठनों को अदालत की

शोभायात्रा हो गयी है।

जिससे हिंदू संगठनों को अदालत की

शोभायात्रा हो गयी है।

जिससे हिंदू संगठनों को अदालत की

शोभायात्रा हो गयी है।

जिससे हिंदू संगठनों को अदालत की

शोभायात्रा हो गयी है।

जिससे हिंदू संगठनों को अदालत की

शोभायात्रा हो गयी है।

जिससे हिंदू संगठनों को अदालत की

शोभायात्रा हो गयी है।

जिससे हिंदू संगठनों को अदालत की

शोभायात्रा हो गयी है।

जिससे हिंदू संगठनों को अदालत की

शोभायात्रा हो गयी है।

जिससे हिंदू संगठनों को अदालत की











